Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : First

सांख्य–योग–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. क्रियायोग का स्वरूप बताते हुए, उसका प्रयोजन एवं पञ्चक्लेशों का विस्तृत वर्णन करें।
2. परिणाम, ताप व संस्कार दुःख क्या है? व्यासभाष्यानुसार सविस्तार वर्णन करें।
3. हेय, हेयहेतु, हान, धनोपाय का सप्रमाण विस्तारपूर्वक उल्लेख करें।
4. सांख्यानुसार इन्द्रियाँ भौतिक हैं या अभौतिक सप्रमाण वर्णन करें।
5. कोई पाँच प्रमाण देकर सांख्याकारिका के सत्कार्यवाद की पुष्टि करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. योगदर्शनानुसार द्रष्टा व दृश्य का स्वरूप प्रमाणपूर्वक बतायें।
7. योगदर्शन का कर्मफल सिद्धान्त संक्षेप में बतायें तथा सुख-दुःख का कारण भी बतायें।
8. संक्षेप में प्राणायाम की विवेचना व उसके फल का निरूपण करें।
9. योगाङ्गों के अनुष्ठान का क्या प्रतिफल है प्रमाणपूर्वक लिखें।
10. सभी कारणों से आत्मा का प्रयोजन सिद्ध होने पर भी सांख्यदर्शन में बुद्धि को प्रधान क्यों माना गया है।
11. सांख्यदर्शनानुसार सृष्टि रचना का उल्लेख संक्षेप में करें।
12. अहङ्कार का स्वरूप व उसके कार्यों का निरूपण संक्षेप में करें।

----------X----------